प्रेस-विज्ञप्ति **16.03.2024**

शांति चाहिए तो वार भी
अगर हम अदृश्य हैं तो असरदार और ताकतवर है

आज दिनाँक 16 मार्च, 2024 को सायं 05:00 बजे, मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा (भारतीय सेना के दिग्गज) श्री एम.एम. नरवाने जी (पूर्व भारतीय सेना प्रमुख) के सम्मान में (destined for greatness & exploring military odyssey) एक पारस्परिक वार्ता-सत्र आयोजित किया गया।

चैम्बर के अध्यक्ष श्री अभिषेक सिंघानिया जी ने श्री एम.एम. नरवाने जी को प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया तथा उपाध्यक्ष- श्री मयंक खन्ना जी ने श्री नरवाने जी को पुष्पगुच्छ / शॉल भेंट किया।

मर्चेंट चैंबर ऑफ़ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अभिषेक सिंघानिया जी ने कहा कि हम सबके लिए यह अत्यंत सौभाग्य की बात है कि आज हमारे बीच में (भारतीय सेना के दिग्गज) श्री एम.एम. नरवाने जी (पूर्व भारतीय सेना प्रमुख) जैसी महान विभूति उपस्थित हुई है और उन्होंने अपना बहुमूल्य समय चैंबर के सदस्यों को दिया है। हमें यह बताते हुए अत्यंत ही हर्ष हो रहा है कि श्री नरवाने जी भारतीय सेना प्रमुख के पदक्रम को आगे बढ़ाते हुए अट्ठाईसवें प्रमुख सुशोभित हुए। श्री नरवाने जी सिर्फ भारतीय सेना के ही दिग्गज ही नहीं रहे हैं बल्कि कई अन्य मुद्दों जैसे राजनीतिक, राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय, वर्क-लाइफ बैलेंस, कला, संस्कृति, लीडरशिप क्वालिटीज आदि की गहन जानकारी रखने वाले अनुभवी व्यक्तित्व के धनी है। हमें पूर्ण आशा है कि आज हम सब उनके मार्गदर्शन में उनका अनुभव एवं ज्ञान प्राप्त करके अपने जीवन में ढालने की कोशिश करेंगे। चैम्बर के अध्यक्ष श्री अभिषेक जी ने श्री नरवाने जी को चैम्बर को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए सहृदय धन्यवाद दिया।

मर्चेंट चैंबर के वरिष्ठ सदस्य एवं कॉउन्सिल मेंबर श्री सुधींद्र जैन ने श्री एमएम नरवाने जी के साथ वार्ता सत्र को आगे बढ़ाया जिसमें श्री नरवाने जी ने निम्नलिखित विचार साझा किया जो इस प्रकार है:

श्री नरवाने जी ने सर्वप्रथम मरचेंट चैंबर ऑफ़ उत्तर प्रदेश का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि मैं मर्चेंट चेंबर को मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि:-

- शांति चाहिए तो वार भी उसका एक दूसरा पहलू है अर्थात शांति से रहने के लिए हम युद्ध को नजरअंदाज नहीं कर सकते।
- डिफेंस बजट के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो राशि डिफेंस बजट के लिए आवंटित होती है वह पुनः घूम कर औद्योगिक एवं सामाजिक जगत को ही लाभान्वित करती है फिर चाहे हम किसी कंपनी से अपना ट्रक बनवाए या हथियार के कलपुर्जे बनवाएं इसका लाभ औद्योगिक एवं सामाजिक जगत को रोजगार के रूप में प्राप्त होता है।
- हमारे भारतीय सेना की पारिस्थितिकी का हिस्सा समाज का प्रत्येक वर्ग है और हमारी सैन्य शक्ति उसके लिए पूर्णतया कटिबद्ध है। इसलिए आर्मी में किसी भी तरह का किया गया निवेश एक स्मार्ट डिसीजन है।
- वार्ता सत्र की अवधि के बीच में श्री नरवाने जी ने एक वीडियो का प्रस्तुतीकरण किया जो की इस बात पर आधारित था कि, "अगर हम अदृश्य हैं तो असरदार और ताकतवर है"। प्रस्तुत वीडियो में भारतीय सेना के शौर्य, साहस, पराक्रम एवं सामाजिक सुरक्षा अभियान को पिरोया गया था।
- वार्ता के दौरान व्यक्तिगत जीवन पर भी सवाल पूछे गए जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि आर्मी की सेवा करने के साथ-साथ मैंने पारिवारिक जिम्मेदारी भी बखूबी निभाई है और अब मैं अपने ग्रैंडफादर होने की जिम्मेदारी भी पूरी तरह से निभाता हूं एवं ग्रैंडसन की बच्चों वाली हरकतों का आनंद लेता हूँ।
- चीन गलवान घाटी, भारत एवं संयुक्त अरब एमिरेट्स सैन्य डील पर भी वार्ता की गई। भारत द्वारा चीन के हाथों जमीन खोने के विषय पर उन्होंने कहा कि की एलएसी के एक तरफ इंडिया और दूसरी तरफ चीन है। क्योंकि जो हमारा है वह सदैव हमारे पास रहेगा उससे कोई हमें छीन नहीं सकता।
- एनसीसी कैडेट्स के आर्मी जॉइन करने, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप का आर्मी में रोल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बढ़ता चलन, रोबोटिक वार, अग्नि वीर स्कीम, वन रैंक वन पेंशन आदि पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।
- वार्ता सत्र के बीच में सभा में उपस्थित गणमान्यों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया जिसमें गणमान्य ने अपनी पसंद के सवाल श्री नरवाने जी से पूछे।
- चैम्बर के सदस्य श्री सुशील शर्मा जी ने एमएसएमई के लिए भारतीय सेना में अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सक्रियता से आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी उपकरणों के उपयोग पर बढ़ रही है और यह हम सबके लिए अर्थात

औद्योगिक जगत नए स्टार्टअप एस एवं एमएसएमई के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इसका उदाहरण इंडिया फोर्ज नाम की एक कंपनी का स्टार्टअप है जो unmanned aerial vehicles (UAVs) निर्मित करती है।

- चैम्बर के कौंसिल मेंबर के सदस्य श्री विजय पंडित जी ने कैंटोन्मेंट एरिया के गठन एवं उसकी उपयोगिकता पर अपना प्रश्न पूछा
- सत्र के दौरान उन्होंने TTPs अर्थात tactics, technique, procedure के बारे में बताया और कहा कि समय परिवर्तनशील है और हमें समय के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिय।
- एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आर्मी के दौरान ट्रेनिंग एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और ट्रेनिंग में हमें कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना होता है इस दौरान हमारे सेना के जवानों के मौत का भय भी भय भी समाप्त हो जाता है।
- श्री नरवाने जी ने Four Stars of Destiny पर एक बहुत ही सरल, मार्मिक, प्रेरणादायक एवं हृदयस्पर्शी आत्मकथा अपने शब्दों में पिरोयी है। यह पुस्तक (भारतीय) सेना के कामकाज, उसकी संस्कृति और लोकाचार पर प्रकाश डालती है जो इसे दुनिया की सबसे बेहतरीन सेना बनाती है।

सत्र में मर्चेंट चैंबर उत्तर प्रदेश के श्री आशीष चौहान, श्री अतुल कनोडिया, श्रीमती वर्षा सिंघानिया, श्री शरद शाह, चैम्बर के सचिव महेंद्र नाथ मोदी, चैम्बर के सदस्यगण, उद्यमी व व्यापारी, विभिन्न क्षेत्र से जुड़े पेशेवर व्यक्ति व आमजन तथा सहयोगी संस्था के पदाधिकारी गण एवं सदस्यगण उपस्थित थे।